पश्चिम क्षेत्रिय युवा समारोह 2010

कहीं घुंघरूओं की झनकार, कहीं सितार और सरोद के तारों से निकलती कर्णप्रिय स्वरलहरियां, कहीं रंगोली के सतरंगी रंगों से सजा प्रांगण तो कहीं आकाश को गुंजायमान करता समूहगान। यानि समस्त भारतवर्ष की कला एवं संस्कृति को एक ही जगह देखने एवं सराहने का अद्वितीय मौका। ये समां था **26वें अंतर विश्वविद्यालय पश्चिम क्षेत्रिय युवा महोत्सव 2010 मृगनयनी** का जिसे आयोजित कर जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर भी धन्य हो उठा।

5 दिवसीय इस महोत्सव में वनस्थली विद्यापीठ की बात ही कुछ अलग थी। मूम्बई, गुजरात, जोधपुर एवं शोलापुर विश्वविद्यालय जैसे महारथी भी वनस्थली को कड़ी चुनौती के रूप में देख रहे थे और पिछले वर्षों की हार को पुनः स्मरण कर रहे थे। चाहे वो नाटक हो या समूह नृत्य, कार्टूनिंग हो या कत्थक, फोटोग्राफी हो या वाद–विवाद वनस्थली विश्वविद्यालय ने अपनी जीत के झंडे हर क्षेत्र में गाड़ दिए।

आसमानी रंग के परिधान में सजी वनस्थली विद्यापीठ की **कनिका वर्मा** ने जब **शिव तांडव** से कत्थक की शुरूआत की तो लोग अपनी पलकें झपकाना तक भूल गए। उनके द्वारा किए गए **भावपक्ष में खंडिता नायिका** के अभिनय को देख सबकी आंखें नम हो गईं और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ लोग वाह–वाह कर उठे।

अपनी कला से वनस्थली की छात्रा **मेघा आत्रे** ने गीली मिट्टी को जब मूर्त रूप दिया तो ऐसा लगा वो सजीव हो उठी। क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता का विषय **मैन एंड वर्क** था। अन्य प्रतिभागियों ने भी नृत्य करते कलाकार, किसान, मदारी आदि बनाकर अपने हुनर का जौहर दिखाया।

समूह नृत्य में वैसे तो प्रतियोगिता बहुत ही कठिन थी, लेकिन पिछले आठ वर्षों से लगातार क्षेत्रीय स्तर पर अपनी कला का परचम फहराने वाली वनस्थली जैसे ही मंच पर आई दर्शकों के उत्साह और तालियों से पांडाल गूंज उठा।

रंगोली में शैव्या रस्तोगी ने राजस्थानी मांडना बनाकर जहां प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं **कार्टूनिंग में शिवांगी दाधीच** ने भ्रष्टाचार पर अपने कार्टून में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

पोस्टर मेकिंग में शिवांगी दाधीच, वाद–विवाद में नैना शर्मा और अपर्णा त्रिपाठी, भाषण में नैना शर्मा व पाश्चात्य समूह गान ने भी वाह वाही बटोरी।

अंततः परिणाम कुछ इस प्रकार रहा–

ओवर ऑल चॅम्पियनशिप ट्रॉफी – मुम्बई विश्वविद्यालय

ओवर ऑल चॅम्पियनशिप रनर अप ट्रॉफी – वनस्थली विश्वविद्यालय

ओवर ऑल ट्रॉफी संगीत विद्या – मुम्बई विश्वविद्यालय

ओवर ऑल ट्रॉफी नृत्य विद्या – वनस्थली विश्वविद्यालय

ओवर ऑल ट्रॉफी साहित्यिक विद्या – जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

ओवर ऑल ट्रॉफी नाट्य विद्या – मुम्बई विश्वविद्यालय

ओवर ऑल ट्रॉफी फाईन आर्ट्स – एस.आर.टी.एम विश्वविद्यालय, नांदेड़

5 दिवसीय महोत्सव के समापन पर जहां जीत की खुशी चेहरे पर चमक रही थी वहीं यहां से जाने का गम भी था। प्रतियोगिता, मौज–मस्ती और तैयारियों में समय कब पंख लगा कर उड़ गया पता ही नहीं चला। अगली बार नए जोश, नए उत्साह, नयी तैयारी और जीतने की नयी ललक के साथ आने का वादा कर एक–दूसरे से अलग हुए। और जीते हुए प्रतियोगी जनवरी में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने की प्रतिज्ञा कर अपने–अपने शहर लौटने लगे। लेकिन यह महा उत्सव सबकी स्मृतियों में हमेशा के लिए अंकित हो गया।